



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—अण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 68]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 25, 1984/ज्येष्ठ 4, 1906

No. 68]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 25, 1984/JYAISTHA 4, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अभिलेखना

नई दिल्ली, 25 मई, 1984

सं० एक 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/84—8.50 प्रतिशत ऋण, 1994, 9.50 प्रतिशत ऋण, 2004 और 10.25 प्रतिशत ऋण, 2012 के लिए 800 करोड़ रुपयों की कुल राशि के लिए पहली जून 1984 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में या भारत सरकार के 5 प्रतिशत ऋण 1984 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा पहली जून, 1984 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 800 करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 880 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर नकदी में आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि

आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटाई गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और पहली जून 1994 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.5 प्रतिशत ऋण, 1994

(i) वापसी अवधि की तारीख—ऋण पहली जून 1994 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आधेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (ताकैतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 1 जून 1984 से वार्षिक 8.50 प्रतिशत होगी। ब्याज प्रत्येक छमाही में 1 दिसम्बर और 1 जून को अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शूद्ध राशि

निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

4. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 1 जून 2004 को सममूल्य पर प्रतिदेय 9.50 प्रतिशत, ऋण 2004

(i) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 1 जून 2004 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य :—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।

(3) व्याज :—इस ऋण की व्याज दर 1 जून 1984 से वार्षिक 9.50 प्रतिशत होगी। व्याज प्रत्येक छमाही में 1 दिसम्बर और 1 जून को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। व्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

5. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 1 जून 2012 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.25 प्रतिशत ऋण, 2012

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 1 जून 2012 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।

(2) निर्गम मूल्य :—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।

(3) व्याज :—इस ऋण की व्याज दर 1 जून 1984 से वार्षिक 10.25 प्रतिशत होगी। व्याज प्रत्येक छमाही में 1 दिसम्बर और 1 जून को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। व्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

परिवर्तन की शर्तें

6. 5 प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियां सममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तन के लिये स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली 5 प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियों पर 31 मई 1984 सहित उस तारीख तक, नयी प्रतिभूतियां जारी करते समय वार्षिक 5 प्रतिशत की दर पर व्याज अदा किया जायेगा।

पूरक व्यवस्था

7. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

8. व्याज अदा करने का स्थान :—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में व्याज अदा किया जाएगा।

9. व्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गए कर की दर से का हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे व्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है व्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना व्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर व्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले व्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80D के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और उनके पहले सरकार की प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति पर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 2,65,000 रुपये की सीमा तक संपात कर में छूट प्राप्त होगी।

12. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी:—

(i) स्टॉक प्रमाणपत्र, या (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

13. ऋणों के लिए आवेदन पत्र—ऋणों के लिए आवेदन पत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

14. आवेदन पत्र इसके साथ संलग्न फॉर्म में या किसी ऐसे दूसरे फॉर्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक व्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

15. आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक या परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली 5 प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्या-

लय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां धारक द्वारा सरकार को निम्न प्रकार अंतरित की जाएं:

(i) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण विनियम के फॉर्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर कर,

(ii) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार पृष्ठांकित किया जाए:

“भारत सरकार के राष्ट्रपति को अदा करें”

16. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदनपत्रों पर किये गए आबंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहयुक्त ऋण आवेदन पत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100.00 (संकेतिक) 6 पैसे का दर पर दलाली अदा की जाएगी। बैंक—वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिधानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलाली की अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से
ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

आवेदन पत्र का फॉर्म

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु० (..... रुपये) के लिए नकदी*/चेक रु०
..... (..... रुपये) के संकेतिक मूल्य का 5 प्रतिशत ऋण 1984 की प्रतिभूतियां प्रस्तुत करता/करने हूँ,*
और यह अनुरोध करता/करने हूँ कि मुझे/हमें नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में वचन पत्र/पत्रों* के रूप में रु०

स्टॉक प्रमाण पत्र

संकेतिक मूल्य के 8.50 प्रतिशत ऋण, 1994*/9.50 प्रतिशत ऋण, 2004*, 10.25 प्रतिशत ऋण 2012* की प्रतिभूतियां जारी

प्रति वचनपत्र रु० का (के)† वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० का (के)† वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० का (के)† वचनपत्र

2 मैं/हम*/चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। प्रविष्टि या आदता कार्यालय द्वारा की जाएगी

	छोटे हस्ताक्षर	बिनांक
आवेदन पत्र सं०		
"दशाली नहीं" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख		
बैंक-बचत होने की तारीख		
विशेषजमा खाते में जमा करने की तारीख		
जाच की गयी		
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
बचाली रजिस्टर में दर्ज किया गया		
मांग पत्र सं०		
प्रतिभूति सं०		
काहे सं०		
वाउचर पारित करने की तारीख		

हस्ताक्षर

पूरा (पूरे) नाम

पता :

दिनांक जून 1984

* जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

**रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य पत्रों में बचत-पत्र जारी किये जायेंगे। जो मूल्य बगैरे अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख करें।

टिप्पणियाँ: (1) परिचय के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियाँ यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक [को] के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पृष्ठांकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति को अर्पण करें” और यदि बचत प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उन्हें पीछे दिये गये अंतरण बिलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें/करें।

(2) प्रत्येक ऋण, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएँ।

(4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत पिन्डाय के नाम से किया जाए तो निम्न आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे जो भी ऋण कार्यालय में पत्रलेखी पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएँ:

(i) नियंत्रण/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक से अश्वेत जारी किये जाने पराधिकारी द्वारा प्रमाणित उत्तरी सत्य प्रतिनिधि

(ii) बचत/निकाय के शासन पत्र और जंतिनियम या नियमों और विनियमों/उप-विनियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।

(iii) कंपनी/पिन्डाय को और से सरकारी प्रतिभूतियों का जेनरेट करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों (को) के पत्र में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसमें/उनके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(5) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करता चाहते हैं उन्हें छाहरी बत्रान के प्रेषण के लिए (मोह नष्ट कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश कार्य भी भरेना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th May, 1984

No. F. 4(5)W&M/84.—Subscriptions for the issues of 8.50 per cent. Loan, 1994, 9.50 per cent. Loan, 2004 and 10.25 per cent. Loan, 2012 for an aggregate amount of Rs. 800 crores will be received in the form of cash or of securities of Government of India 5 per cent. Loan, 1984 on 1st June 1984 upto the close of Banking hours. In the event of 1st June 1984 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 800 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 880 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 8.50 per cent. Loan, 1994.—issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on 1st June 1994.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 1st June 1994.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 8.50 per cent. per annum from 1st June 1984. Interest will be paid half-yearly on 1st December and 1st June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 9.50 per cent. Loan, 2004 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 1st June, 2004.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 1st June 2004.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 9.50 per cent. per annum from 1st June 1984. Interest will be paid half-yearly on 1st December and 1st June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 10.25 per cent. Loan, 2012 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 1st June 2012.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 1st June 2012.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.25 per cent. annum from 1st June 1984. Interest will be paid half-yearly on 1st December and 1st June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

CONVERSION TERMS

6. The securities of 5 per cent. Loan, 1984 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on securities at 5 per cent. Loan, 1984 tendered for conversion will be paid at the rate 5 per cent. per annum upto and inclusive of the 31st May 1984 at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Applications will be received at —

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculia), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

8. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at

any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the State of Jammu & Kashmir and Sikkim.

9. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan, who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest the amount of interest without deduction of tax.

10. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

11. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 2,65,000.

12. The securities will be issued in the form of —

- (i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

13. Applications for the Loans.—Applications for the Loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of the 5 per cent. Loan, 1984 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

- (i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.
- (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :

'Pay to the President of India'.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Bank—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,
A. RANGACHARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*
[Full Name(s) in Block Letters]
.....
*Cash herewith
tender Rs. (Rupees)
Cheque for

*Securities of 5 per cent. Loan, 1984 of the nominal value of Rs. (Rupees)
and request that Securities of 8.50 per cent. Loan, 1994*/9.50 per cent. Loan, 2004*/10.25 per cent. Loan, 2012* of the nominal value of Rs.

*Promissory Note(s) in the
denomination(s) stated below:—

may be issued to me/us^a in the form of—

Stock Certificate

..... Promissory Note(s) of Rs. each
 Promissory Note(s) of Rs. each
 Promissory Note(s) of Rs. each

2. I/we^a desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.
 The entries will be filled in by the Receiving Office.

Signature(s)
 Name(s) in full
 (Block Letters)

	Initials	Date
Application No		
N.B. Stamp		
Cash Received on		
Cheque Realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		
Cash Applications Register posted		
Brokerage Register posted		
Indent No		
Script No		
Card No		
Voucher passed on		

Address

 Dated the of June 1984.

^aDelete what is not required.

—Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000
 Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes:—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/the before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate and Promissory Note) of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-Laws of the company body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(5) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtain from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

